

में सूती रेह गई जी गुरु जी में करमा दी मारी

में सूती रेह गई जी गुरु जी में करमा दी मारी,
कोई व्यपारी भेज देयो जिस नु नींद वेच दा सारी,
में सूती रेह गई जी गुरु जी में करमा दी मारी,

एस मरन ते बेहन न देवे नाम तुहाडा लैना न देवे
सोच सोच के हारी में सूती रेह गई जी गुरु जी में करमा दी मारी,

आथन वेले सुबह सवेरे एह अखियाँ विच रेहन्दी मेरे वन गई वैरण भारी,
में सूती रेह गई जी गुरु जी में करमा दी मारी,

रोशन रेहपे वाला केहन्दा नाम जपा में उठदा बैहन्दा तू नजर मेहर दी मारी
में सूती रेह गई जी गुरु जी में करमा दी मारी,

<https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/20656/title/main-suti-reh-gai-ji-guru-ji-main-karma-di-maari>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |